भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर
समाचार पत्रिका

अप्रैल - जून, जुलाई - सितंबर व अक्टूबर - दिसंबर, 2024 hindicell@iiti.ac.in चतुर्थ, पंचम व षष्ठ अंक

ताइवान एजुकेशन सेंटर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर व देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने ताइवान एजुकेशन सेंटर की स्थापना के लिए 3 अप्रैल, 2024 को ताइपे इकोनॉमिक एंड कल्चरल सेंटर (टीईसीसी), ताइवान के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसी क्रम में, आईआईटी इंदौर परिसर में समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर, महामहिम श्री बौशुआन गेर, राजदूत, टीईसीसी; प्रोफेसर रेनू जैन, कुलपति, डीएवीवी इंदौर व प्रोफेसर सुहास जोशी, निदेशक, आईआईटी इंदौर उपस्थित रहे। यह भारत के मध्य प्रदेश में स्थापित पहला ताइवान एजुकेशन सेंटर है। इस एजुकेशन सेंटर के माध्यम से, एजुकेशन डिवीजन टीईसीसी, ज्ञान को बढ़ावा देने और मेंडरिन भाषा सिखाने की सुविधा प्रदान करने जा रहा है। यह सेंटर शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग प्रदान करने के लिए आईआईटी इंदौर और डीएवीवी इंदौर के साथ ताइवान के उच्च शिक्षा संस्थानों और उद्योगों के बीच संपर्क स्थापित करेगा।

सीएसआर एंड सीआईसी मीट 2024

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने 31 मई, 2024 को तृतीय उद्योग संपर्क कार्यक्रम, 'सीएसआर एंड सीआईसी मीट 2024' आयोजित किया, जिसमें कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों के बारे में विचार साझा करने और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए उद्योग के लीडर, शिक्षाविदों और समाज-सेवी लोगों को एक मंच प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईआईटी इंदौर के शासी मंडल के अध्यक्ष डॉ. के. सिवन और सम्मानित अतिथि के रूप में एसबीआई के राज्य प्रमुख (मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़) श्री सी.एस. शर्मा उपस्थित रहे। इस दौरान, कार्यक्रम में उपस्थित अन्य लोगों में कॉर्पोरेट और उद्योगों से जुड़े विशिष्ट अतिथि और प्रतिभागियों के साथ-साथ आईआईटी इंदौर के निदेशक, कुलसचिव, संकाय सदस्यगण तथा अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

आईएमसी - आईआईटी इंदौर चर्चा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने इंदौर के महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव से भेंट कर शहरवासियों को हो रही समस्याओं और उसके समाधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर चर्चा की। इस दौरान, संस्थान के निदेशक ने महापौर को संस्थान द्वारा किए गए तकनीकी विकास तथा प्रमुख तकनीकी संस्थानों में इसके वैश्विक स्थान से अवगत कराया। इस बैठक में जल के उचित वितरण और विभिन्न पिल्फरिज ट्रैकिंग सिस्टम, बेहतर यातायात प्रबंधन प्रणाली, शहर के लिए नदी पुनरुद्धार योजना और उचित सीवेज प्रणाली जैसी प्रमुख समस्याओं पर चर्चा की गई। साथ में, यह भी अनुरोध किया गया कि संस्थान आईएमसी को ऐप और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म की योजना बनाने में सहायता करे, जो उपयोगकर्ता के अनुकूल हो और डिजिटल एप्लिकेशन का उपयोग करके आम जनता की समस्याओं के समाधान में सहायता करे। इस दौरान, प्रोफेसर जोशी ने महापौर को आश्वस्त किया कि संस्थान प्रत्येक समस्या पर विचार-विमर्श करेगा और एक ऐसी योजना तैयार करेगा, जिससे आईएमसी द्वारा शहरवासियों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने और इंदौर को नई बुलंदियों पर ले जाने में मदद मिलेगी। इस बैठक में संस्थान के निदेशक के साथ अधिष्ठाता और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

जल प्रबंधन: स्थिरता और मानकीकरण

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में 24 जून, 2024 को "जल प्रबंधन: स्थिरता और मानकीकरण" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें जल प्रबंधन और स्थायी कार्यप्रणालियों के कार्यान्वयन से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। इस कार्यशाला में प्रभावी जल प्रबंधन के लिए आवश्यक अंतर्विषयक दृष्टिकोण पर जोर दिया गया। कार्यशाला के दौरान, आईआईटी इंदौर के डिस्टिंग्विश्ड विजिटिंग प्रोफेसर और डीएसटी के पूर्व वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अखिलेश गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में और आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी उपस्थित रहे। इस अवसर पर दिए गए व्याख्यानों में जल प्रबंधन में वैश्विक चुनौतियों का महत्व, जल प्रबंधन में मानक, जल स्थिरता में तकनीकी नवाचारों की अंतर्दृष्टि, जल प्रबंधन मानकों के व्यावहारिक अनुप्रयोग और जल प्रबंधन अनुसंधान में हालिया प्रगति शामिल रहीं। इसी के साथ, कार्यशाला का समापन एक समूह गतिविधि और समापन सत्र के साथ हुआ, जिसमें दिन भर के साझा विचारों पर सहयोगात्मक चर्चा और चिंतन को बढ़ावा मिला। वहीं, प्रतिभागियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में स्थायी जल प्रबंधन कार्यप्रणालियों को लागू करने की नई ज़िम्मेदारी ली।

चिप्स फैबरिकेशन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने एक ऐसी उपलब्धि हासिल की है जिसमें प्रस्तुत किए गए चिप के 144 डिजाइनों में से 02 डिजाइनों को इफेबलेस कॉरपोरेशन द्वारा स्वीकृति प्राप्त हुई है, जिसके परिणामस्वरूप संस्थान के लिए निःशुल्क चिप का निर्माण किया गया है। इसमें 40 परियोजनाओं के चयन के लिए, कुल 144 परियोजनाएँ प्रस्तुत की गईं थी, जिनमें से 83 भारत से थीं। यह कार्यक्रम इफेबलेस ओपन मल्टी प्रोजेक्ट वेफर (एमपीडब्ल्यू) कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया, जो डिजाइनरों को निर्माण की लागत से जुड़े जोखिम के साथ समझौता किए बिना अत्याधुनिक प्रयोग करने और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है। वर्तमान में, चिप्स का परीक्षण चल रहा है और सिक्योरिटी की ऑथेंटिकेशन बाद में शुरू होगी। इफेबलेस कॉरपोरेशन चिप्स के लिए ऐसा पहला निर्माता प्लेटफ़ॉर्म है जहाँ हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर डेवलपर्स, चिप विशेषज्ञ, छात्र और शोधकर्ता अपने चिप्स को डिजाइन, साझा, सहयोग, निर्माण और व्यावसायीकरण संबंधी कार्य करते हैं। संस्थान की ओर से इस टीम में विद्युत अभियांत्रिकी के प्रोफेसर एस.के. विश्वकर्मा तथा सुश्री नेहा माहेश्वरी, श्री राधेश्याम शर्मा, सुश्री कोमल गुप्ता व श्री सात्विक रेड्डी शामिल हैं।

अल्ज़ाइमर किट

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर को जुलाई 2021 से 20 वर्ष की अवधि के लिए एपस्टीन-बार वायरस से होने वाले अल्ज़ाइमर रोग के प्रारंभिक चरण का पता लगाने के लिए एक किट पर पेटेंट प्रदान किया गया है। यह खोज उन लोगों की स्क्रीनिंग के लिए उपयोगी होगी जो वायरस से होने वाले अल्ज़ाइमर रोग से ग्रस्त हो चुके हैं या इसके शिकार हो सकते हैं। यह किट वायरल काउंटरपार्ट की प्राइमर-आधारित पहचान के साथ-साथ स्क्रीनिंग के लिए विशिष्ट वायरल पेप्टाइड से प्रेरित एंटीबॉडी-आधारित जाँच का उपयोग करती है। वर्तमान कार्य का नेतृत्व डॉ. हेम चंद्र झा, एसोसिएट प्रोफेसर, जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी इंदौर द्वारा किया जा रहा है। साथ ही, शोधार्थियों में दीक्षा तिवारी तथा अन्नू रानी भी शामिल हैं। संस्थान अब इस किट के व्यावसायीकरण पर काम कर रहा है जो उभरती हुई स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को पूरा करेगा। यह परियोजना वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर) द्वारा वित्त पोषित है।

नर्मदा नदी क्षेत्र प्रबंधन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में 14 जुलाई, 2024 को 'जल शक्ति मंत्रालय' की 'नर्मदा नदी क्षेत्र प्रबंधन' परियोजना के अंतर्गत नर्मदा नदी क्षेत्र प्रबंधन अध्ययन केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस केंद्र का उद्घाटन रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव एवं डीआरडीओ के चेयरमैन डॉ. समीर वी. कामत ने किया। इस उद्घाटन में आईआईटी इंदौर के शासी मंडल के अध्यक्ष डॉ. के. सिवन, आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी, आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर विनोद तारे भी उपस्थित रहे। यह केंद्र एक ऐसी परियोजना पर काम करेगा, जिसमें मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी के लगभग 1,000 किलोमीटर के पूरे क्षेत्र की मैपिंग की जाएगी। इसके लिए, नर्मदा नदी क्षेत्र के 3-डी मॉडल के रूप में एक प्रोटोटाइप भी बनाया गया, ताकि नदी क्षेत्र की मैपिंग और इसके पर्यावरण के संरक्षण में विभिन्न जटिलताओं और चुनौतियों को दर्शाया जा सके। साथ ही, नर्मदा नदी क्षेत्र पर किए गए विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों को भी गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर, डॉ. कामत ने नर्मदा नदी क्षेत्र के अध्ययन और मध्य प्रदेश राज्य में जल प्रबंधन पर एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए प्रोफेसर मनीष गोयल के नेतृत्व में आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्यों प्रोफेसर प्रीति शर्मा, प्रोफेसर किरण बाला और प्रोफेसर मयूर जैन की टीम के प्रयासों की सराहना की।

वन वाटिका

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने राष्ट्रीय प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (कैम्पा) के अंतर्गत नगर वन परियोजना के लिए आईआईटी इंदौर को चुना है। इस उपलक्ष्य पर, इसका शिलान्यास समारोह 27 जुलाई, 2024 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राष्ट्रीय कैम्पा के सीईओ श्री सुभाष चंद्रा और आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी भी उपस्थित रहे। इस परियोजना के लिए आईआईटी इंदौर को देश का पहला आईआईटी और जिले के एकमात्र शैक्षणिक संस्थान के रूप में चुना गया है। इस विकास के लिए कुल 50 हेक्टेयर वन भूमि की पहचान की जाएगी और इसका उपयोग वनीकरण, सहायक प्राकृतिक पुनर्जनन के माध्यम से वनों की गुणवत्ता में सुधार, जैव विविधता के संवर्धन, वन्यजीव वास में सुधार, वन में आग पर नियंत्रण, वन संरक्षण और मृदा एवं जल संरक्षण उपायों के लिए किया जाएगा। इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए कुल ₹1.98 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं।

अत्याधुनिक शू-सोल

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में नवाचारों की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन करते हुए, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) परियोजनाओं में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। ये परियोजनाएँ रक्षा प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के लिए संस्थान की व्यापक विशेषज्ञता और प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। इस अभूतपूर्व विकास में, संस्थान ने भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के तहत रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को नए ट्राइबो-इलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर (टीईएनजी) आधारित जूता सोल ऊर्जा संचयन इकाइयों के 10 जोड़े सफलतापूर्वक वितरित किए हैं। यह उपलब्धि उन्नत ट्रैकिंग प्रौद्योगिकियों के साथ स्थायी ऊर्जा समाधानों को एकीकृत करने में एक महत्वपूर्ण विकास दिखाता है। आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्य प्रोफेसर आई. ए. पलानी के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में विकसित किए गए जूते, मानव गति से बिजली इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तक ऊर्जा का उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

ट्यूबरोक्लोसिस से निवारण के लिए प्रभावशाली कम्पाउंड

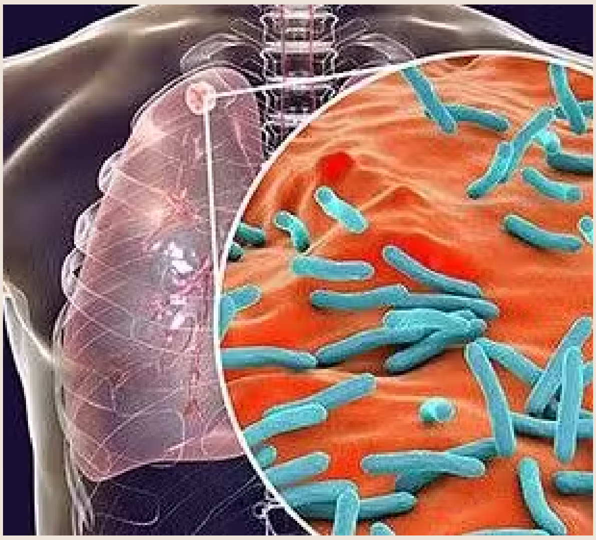

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने नए कम्पाउंड विकसित किए हैं जो भारत और विश्व स्तर पर एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या, दवा-प्रतिरोधी ट्यूबरोक्लोसिस (टीबी) से निपटने में मदद कर सकते हैं। इस पर, संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर वेंकटेश चेल्वम व जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर अविनाश सोनवाणे के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने अपने दवा खोज कार्यक्रम के हिस्से के रूप में टीबी के इलाज के लिए डिज़ाइन किए गए 150 से अधिक नए जीवाणुरोधी कम्पाउंड बनाए हैं। ये कम्पाउंड पाइरिडीन रिंग फ्यूज्ड हेट्रोसाइक्लिक फैमिली से संबंधित हैं, जिसमें पाइरोलोपाइरीडीन, इंडोलोपाइरीडीन और अन्य शामिल हैं। माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस (एमटीबी) नामक बैक्टीरिया के कारण होने वाली टीबी दुनिया भर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है, जो हर साल लगभग 1.5 मिलियन लोगों की जान लेती है। वर्तमान में, इन एंटी-टीबी कम्पाउंड में से सबसे शक्तिशाली का चूहों जैसे छोटे जानवरों पर परीक्षण किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य एमडीआर और एक्सडीआर-टीबी के लिए उपचार में सुधार करना है। इस शोध का अंतिम लक्ष्य टीबी और दवा प्रतिरोधी टीबी के इलाज के लिए नए उपकरण प्रदान करना है, जो विकासशील और विकसित दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है। इन कम्पाउंड को विकसित करने के लिए प्रयुक्त विधि को विभिन्न रोगों के उपचार हेतु भारत और अमेरिका दोनों में पेटेंट प्रदान किया गया है।

38वीं इंटर आईआईटी एक्वेटिक्स मीट - 2024

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में 38वीं इंटर आईआईटी एक्वेटिक्स मीट 2024 का शुभारंभ 30 सितंबर, 2024 को किया गया, जो कि 1 से 5 अक्टूबर के बीच आयोजित किया गया। इस एक्वेटिक्स मीट में 17 आईआईटी के लगभग 230 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से 60 महिला प्रतिभागी शामिल थीं। यह आयोजन इंटर आईआईटी स्पोर्ट्स मीट का एक हिस्सा है, जिसका आयोजन आईआईटी इंदौर और आईआईटी कानपुर द्वारा 10 से 17 दिसंबर, 2024 के बीच किया गया। इसमें कुल 49 स्पर्धाएँ आयोजित की गईं, जिनमें फ्रीस्टाइल, ब्रेस्टस्ट्रोक, बटरफ्लाई, बैकस्ट्रोक और वाटर पोलो मैच शामिल रहे। इन स्पर्धाओं का आयोजन भारतीय तैराकी महासंघ और मध्य प्रदेश तैराकी संघ द्वारा किया गया। इस अवसर पर, प्रतिष्ठित खेल चिकित्सक डॉ. कन्नन पुगझेंधी, जिन्होंने 1989 में भारतीय क्रिकेट टीम, 1996 में अटलांटा ओलंपिक और 2002 विश्व कप के दौरान भारतीय हॉकी टीम के साथ काम किया हुआ है, इस प्रतिष्ठित समारोह के मुख्य अतिथि थे। वहीं, प्रतिभागियों ने बीएसएफ बैंड द्वारा बजाए गए धुनों पर मार्च पास्ट किया और साथ ही, मल्लखंब और भगोरिया नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस पर, आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा, “आईआईटी इंदौर, हमारे कुछ सहयोगी संस्थानों की तुलना में नया है, लेकिन इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का आयोजन करते हुए हमें बहुत गर्व हो रहा है। मध्य प्रदेश की वाणिज्यिक राजधानी में स्थित हमारा सुंदर परिसर, कड़ी प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत जीत और यादगार क्षणों का साक्षी बनने के लिए तैयार है। हमारी जलीय प्रतियोगिताओं संबंधी सुविधाएँ विश्व स्तरीय हैं और हम अपने प्रतिभाशाली एथलीटों को ये सुविधाएं प्रदान करने को लेकर रोमांचित हैं।” वहीं, कमांडर सुनील कुमार (सेवानिवृत्त), पीआरओ, आईआईटी इंदौर ने कहा “इस आयोजन में तैराकी दौड़, मेडले व वाटर पोलो मैच सहित कई तरह की जलीय प्रतियोगिताएँ शामिल रहीं। इस प्रतिष्ठित आयोजन के माध्यम से प्रतिभा, खेल कौशल और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन करने वाले एथलीटों को एक प्लेटफ़ॉर्म प्रदान किया गया। इस अवसर पर छात्र कार्य के अधिष्ठाता डॉ. श्रीवत्सन वासुदेवन, प्रभारी प्राध्यापक, खेल प्रोफसर स्वामीनाथन, संयुक्त कुलसचिव छात्र कार्य कमांडर सुनील कुमार (सेवानिवृत्त) भी उपस्थित रहे।

हिंदी पखवाड़ा – 2024

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर की राजभाषा समिति द्वारा 7 अक्टूबर, 2024 को हिंदी पखवाड़ा - 2024 के सफलतापूर्वक आयोजन के साथ पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं, इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में संस्थान के अधिष्ठाता (प्रशासन) प्रोफेसर संदीप चौधरी और विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्थान के कुलसचिव श्री एस. पी. होता भी मौजूद थे। इस दौरान, राजभाषा समिति के संयोजक प्रोफेसर राजेश कुमार, सम्मानित सदस्य प्रोफेसर शरद गुप्ता व राजभाषा अधिकारी श्री राजीव पाण्डेय भी उपस्थित रहे। इस समारोह की शुरुआत गणमान्य अतिथियों को नन्हे पौधे प्रदान करके की गई। संस्थान में हिंदी पखवाड़ा – 2024 के अंतर्गत कुल 9 प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इस पर, राजभाषा समिति के संयोजक प्रोफेसर राजेश कुमार ने कहा, "संस्थान में विगत कई वर्षों से हिंदी में कई सारी गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हिंदी हमारी राजभाषा है और हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम हिंदी को उच्च शिखर तक ले जाएँ एवं हिंदी भाषा में अधिकाधिक रूप से कार्यान्वयन करके इसका मान-सम्मान बढ़ाएँ।" वहीं, संस्थान के निदेशक व मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुहास एस. जोसी ने सबसे पहले सभी विजेता प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दी और कहा, "हिंदी हमारी राजभाषा है और हमारा यह कर्तव्य है कि प्रत्येक दृष्टिकोण से हिंदी का प्रचार-प्रसार किया जाए। 'विज्ञान पर चर्चा' श्रृंखला का राजभाषा के प्रचार-प्रसार में विशेष योगदान है। चूँकि यह संस्थान एक राष्ट्रीय महत्व वाला तकनीकी संस्थान है, इसलिए हम सरल हिंदी भाषा में जन-जन के बीच विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का ज्ञान वर्चुअल माध्यम से प्रसारित कर रहे हैं।" संस्थान के अधिष्ठाता (प्रशासन) व सम्मानित अतिथि प्रोफेसर संदीप चौधरी ने सभी पुरस्कृत प्रतिभागियों को आशीर्वचन देते हुए कहा "ज्ञान के बिना विज्ञान अधूरा है और हिंदी ज्ञान को अर्जित करने का माध्यम है जिससे हम अपने विचारों को लोगों के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। हिंदी बहुत ही सरल भाषा है और इसमें एक मधुरता, सुगमता एवं सौम्यता है जो लोगों को इसके प्रति आकर्षित करती है।" इस पर, संस्थान के कुलसचिव व विशिष्ट अतिथि श्री एस. पी. होता ने कहा "यद्यपि यह हिंदी पखवाड़ा – 2024 का समापन समारोह है, किंतु हम सभी संस्थानवासियों को हिंदी के प्रति कार्य करने के चलन को निरंतर आगे बढ़ाते रहना है। संस्थान विगत कई वर्षों से हिंदी में कई गतिविधियाँ कर रहा है, जैसे कि हिंदी में वार्षिक प्रतिवेदन, वित्तीय प्रतिवेदन, त्रैमासिक हिंदी समाचारपत्रिका इत्यादि के प्रकाशन।"वहीं, हिंदी पखवाड़ा – 2024 के पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान, कुल 61 प्रतिभागियों के प्रमाण पत्र एवं नक़द इनाम के साथ पुरस्कृत किया गया। समारोह के अंत में, राजभाषा अधिकारी श्री राजीव पाण्डेय ने सभी गणमान्य अतिथिगण, प्रतिभागियों, संकाय सदस्यगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, छात्रगण एवं विशेषकर राजभाषा समिति के सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया, जिन्होंने इस हिंदी पखवाड़ा – 2024 के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाई।

हरित परिसर अभियान - वृक्ष प्रत्यारोपण

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने वृक्ष प्रत्यारोपण की एक सराहनीय पहल की है। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से पारिस्थितिकी संतुलन को बनाए रखने के लिए लागू किया गया है। वृक्ष प्रत्यारोपण पेड़ों को उनके मूल स्थान से उखाड़कर नए स्थानों पर लगाने की प्रक्रिया है, जिसका अर्थ है नए स्थानों पर पेड़ों को फिर से उगाना। खंडवा रोड के चौड़ीकरण के दौरान उखाड़े गए असंख्य पेड़ों के लिए एक क्षेत्र प्रदान करके और उन्हें संस्थान के भीतर लगाकर, संस्थान अत्यधिक महत्वपूर्ण और पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियाँ कर रहा है। यदि हम विश्व में पर्यावरण के वर्तमान परिदृश्य का आकलन करें तो हम पाते हैं कि पृथ्वी पर ग्लोबल वार्मिंग के कारण जीवन चिंता की ओर बढ़ रहा है। इसके जवाब में संस्थान परिसर में प्रचुर मात्रा में पेड़ लगाए जा रहे हैं, ताकि संस्थान और आस-पास के क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखा जा सके। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने परिसर में जल निकायों को पुनर्जीवित करने की पहल भी की है। इस पहल को आगे बढ़ाते हुए, जल और मृदा संरक्षण के लिए 8 झीलों और कई चेक डैम को पुनर्जीवित किया गया है।

द्वादश दीक्षांत समारोह

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में 13 जुलाई, 2024 को द्वादश दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया, जिसमें रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव एवं डीआरडीओ के चेयरमैन डॉ. समिर वी. कामत दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं,भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के शासी मंडल के अध्यक्ष डॉ. के. सिवन, भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर के निदेशक प्रोफेसर हिमांशु राय व आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी समारोह में मौजूद रहे। इस दीक्षांत समारोह में कुल 673 विद्यार्थियों ने अपनी उपाधि ग्रहण की, जो कि आईआईटी इंदौर से उपाधि ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों की अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इसमें पीएचडी कार्यक्रम के 81 विद्यार्थी, बीटेक कार्यक्रम के 334 विद्यार्थी, एमटेक कार्यक्रम के 54 विद्यार्थी, एमएस (रिसर्च) कार्यक्रम के 23 विद्यार्थी, एमएससी कार्यक्रम के 97 विद्यार्थी और एमएसडीएसएम कार्यक्रम के 84 विद्यार्थी शामिल थे। स्वर्ण पदक (जो कि राष्ट्रपति पदक, संस्थान स्वर्ण पदक, बूटी फ़ाउंडेशन पुरस्कार और वीपीपी मेनन पदक हैं) के 4 प्राप्तकर्ता, विभिन्न श्रेणियों में संस्थान के रजत पदक के लिए 9 प्राप्तकर्ता और सर्वश्रेष्ठ बीटेक प्रोजेक्ट पुरस्कार के एक प्राप्तकर्ता थे।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2024

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के प्रोफेसर कपिल आहूजा को 5 सितंबर, 2024 को शिक्षक दिवस के अवसर पर भारत की माननीय राष्ट्रपति द्वारा प्रतिष्ठित राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। यह चयन उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशव्यापी उच्च पारदर्शी और ऑनलाइन दो-चरणीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया। प्रोफेसर कपिल आहूजा के पास भारत और अमेरिका में चौदह वर्ष का शानदार शिक्षण अनुभव है और वे आईआईटी इंदौर में गणित डेटा विज्ञान और सिमुलेशन अनुसंधान प्रयोगशाला के प्रमुख हैं। अपने उत्कृष्ट छात्र फीडबैक के कारण, उन्हें आईआईटी इंदौर में पाँच बार सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार मिल चुका है। उनके अधिकांश शिक्षण में शोध घटक शामिल है। उन्होंने आईआईटी इंदौर में पहला मास्टर ऑफ साइंस रिसर्च (एमएस रिसर्च) कार्यक्रम भी शुरू किया था। अंतर्राष्ट्रीय संबंध के संस्थापक अधिष्ठाता के रूप में, उन्होंने आईआईटी इंदौर में शिक्षण को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी पहुंचाया है।

कैंसर निदान उपकरण

आईआईटी इंदौर के शोधकर्ताओं ने फोटोअकॉस्टिक तकनीक का उपयोग करके एक कॉम्पैक्ट और किफायती कैंसर स्क्रीनिंग डिवाइस बनाया है। यह नवाचार शुरुआती चरण के कैंसर का पता लगाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, खासकर दूरदराज के इलाकों में जहाँ उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएँ सीमित हैं। यह डिवाइस फोटोअकॉस्टिक स्पेक्ट्रल रिस्पॉन्स (PASR) के सिद्धांत पर आधारित है, जो असामान्य ऊतक परिवर्तनों का पता लगाने के लिए ऑप्टिकल और अकॉस्टिक संकेतों को सम्मिलित करती है। इसका उद्देश्य भारत में कैंसर, विशेषकर स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करना है। आईआईटी इंदौर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर श्रीवत्सन वासुदेवन द्वारा विकसित इस अत्याधुनिक तकनीक को एम्स भोपाल, पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन विभाग के प्रमुख अन्वेषक डॉ. श्रमण मुखोपाध्याय और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के संकाय सदस्य डॉ. सैकत दास के सहयोगात्मक अनुसंधान प्रयासों के माध्यम से अस्पताल देखभाल सेटअप में वैलिडेट किया जा सकता है।

नैट्रेक्स के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी इंदौर और नेशनल ऑटोमोटिव टेस्ट ट्रैक्स (नैट्रेक्स) ने संयुक्त अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह रणनीतिक साझेदारी शिक्षाविदों और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ाने, ऑटोमोटिव क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। इस समझौता ज्ञापन पर आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी और नैट्रेक्स के निदेशक डॉ. मनीष जायसवाल सहित विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग से दोनों संस्थानों की विशिष्टता का लाभ उठाकर अत्याधुनिक शोध किया जा सकेगा, नई तकनीकें विकसित की जा सकेंगी और छात्रों तथा शोधकर्ताओं को बहुमूल्य अवसर प्रदान किए जा सकेंगे। वहीं, नैट्रेक्स के निदेशक डॉ. मनीष जायसवाल ने कहा, "हम आईआईटी इंदौर के साथ साझेदारी करके बहुत उत्साहित हैं और इन परियोजनाओं पर एक साथ काम करने के लिए तत्पर हैं जो सड़क सुरक्षा और ट्रैक प्रबंधन/रखरखाव प्रौद्योगिकी, ईवी प्रौद्योगिकी की सीमाओं को आगे बढ़ाएंगे और उद्योग के विकास में योगदान देंगे।"

6G व सैन्य संचार हेतु इंटेलिजेंट रिसीवर

आईआईटी इंदौर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. स्वामीनाथन आर. के नेतृत्व में एक अभूतपूर्व परियोजना के साथ संचार प्रणालियों को आगे बढ़ाने में प्रगति कर रहा है। यह टीम ऐसे इंटेलिजेंट रिसीवर विकसित कर रही है जो मॉड्यूलेशन, चैनल कोडिंग और इंटरलीविंग जैसी प्रमुख संचार विधियों का अपने आप पता लगा सकते हैं और उन्हें डिकोड कर सकते हैं, जिससे शोर या व्यवधान वाली चुनौतीपूर्ण स्थितियों में भी डेटा को सटीक रूप से भेजने में मदद मिलती है। यह कार्य 6G प्रदर्शन को बढ़ाने, सैन्य संचार सुरक्षा को बढ़ावा देने और कई रिसीवरों की आवश्यकता को कम करके संचार प्रणालियों को अधिक लागत प्रभावी बनाने के लिए तैयार है। यह तकनीक भविष्य के 6G नेटवर्क और सैन्य संचार के लिए महत्वपूर्ण है। यह रिसीवर को मुश्किल परिस्थितियों में सिग्नल को डिकोड करने में सक्षम बनाता है, जैसे कि जब सैन्य प्रसारण को इंटरसेप्ट किया जाता है। इन तरीकों की स्वचालित रूप से पहचान करके, यह सुनिश्चित करता है कि अस्पष्ट या शोरगुल वाले संकेतों से महत्वपूर्ण डेटा एकत्र किया जा सकता है, जो इसे खुफिया अभियानों के लिए महत्वपूर्ण बनाता है।

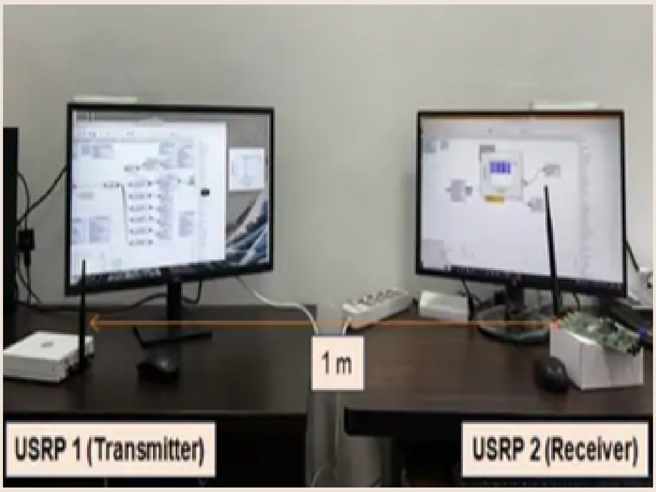

सुरक्षित ईसीजी उपकरण

आईआईटी इंदौर ने एक ऐसी अभूतपूर्व तकनीक विकसित की है जो इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) उपकरणों और कार्डियक पेसमेकर की सुरक्षा और विश्वसनीयता को बढ़ाने का वादा करती है। भारतीय पेटेंट कार्यालय से पेटेंट प्राप्त इस नई तकनीक का फोकस वीएलएसआई सेमीकंडक्टर और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में है। इस शोध के निष्कर्ष प्रतिष्ठित पत्रिका 'नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स' में प्रकाशित हुए हैं। आईआईटी इंदौर के प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर प्रोफेसर अनिर्बन सेनगुप्ता के नेतृत्व में पीएचडी छात्र आदित्य अंशुल सहित टीम ने यह उपलब्धि हासिल की है। आईआईटी इंदौर की टीम द्वारा विकसित नई तकनीक को ईसीजी उपकरणों और पेसमेकर के लिए सुरक्षित एवं संरक्षित चिप्स बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें एक ऐसी महत्वपूर्ण विशेषता शामिल है जो उपकरणों में निर्मित या एकीकृत होने से पहले वास्तविक और नकली ईसीजी डिटेक्टर चिप्स के बीच का अंतर बतलाती है। यह क्षमता ईसीजी उपकरणों और कार्डियक पेसमेकर की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने, गलत निदान और त्रुटियों के जोखिम को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है जो अधूरे उपचार का कारण बन सकती हैं।

बीट द हीट!

आईआईटी इंदौर के भौतिकी विभाग के प्रोफेसर राजेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने एक नए प्रकार के फ्लेक्सबल चश्मे का प्रोटोटाइप विकसित किया है, जो गर्मी को रोकने और आँखों को ठंडक प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये नए चश्मे इलेक्ट्रोक्रोमिक कलर मॉड्यूलेशन नामक एक प्रक्रिया का उपयोग करके इंफ्रारेड हीट को सक्रिय रूप से फ़िल्टर कर सकते हैं, जो उन्हें छोटे विद्युत प्रवाह की प्रतिक्रिया में अपनी गर्मी-अवरोधक क्षमता को समायोजित करने की अनुमति देता है। विशेष सामग्रियों को एकीकृत करके, यह उपकरण मात्र एक सेकेण्ड में अपना मोड बदल सकता है, जिससे यह अपनी तरह का सबसे तेज उपकरण बन जाता है। इस पर, प्रोफेसर राजेश ने कहा, "यह तकनीक अत्यधिक गर्मी की परिस्थितियों में काम करने वाले लोगों के लिए बहुत उपयोगी होगी, खासकर ऐसे क्षेत्रों में काम करने वाली हमारी सेना और मरुस्थल में काम करने वाले कर्मियों के लिए। डिज़ाइन में थोड़े से बदलाव के साथ उसी तकनीक का इस्तेमाल 3डी सिनेमा देखने के लिए चश्मे बनाने में किया जा सकता है।" उन्होंने आगे बताया कि उनकी शोध टीम में 50% महिला वैज्ञानिक हैं, भूमिका साहू, अंजलि घनघस, निकिता, डॉ. समेरा इवातुरी, डॉ. सुचिता कांडपाल और अन्य टीम के साथी लव बंसल, देब रथ, डॉ. सुबिन के.सी. और डॉ. रवि भाटिया।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

आईआईटी इंदौर में 25 से 29 नवंबर, 2024 के बीच मध्य प्रदेश के जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) स्कूलों के गणित और विज्ञान शिक्षकों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए एक व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आवासीय कार्यक्रम का उद्घाटन इसरो के पूर्व अध्यक्ष और आईआईटी इंदौर के वर्तमान अध्यक्ष डॉ. के. सिवन ने 25 नवंबर, 2024 को किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को नई शैक्षणिक तकनीकों, नई शिक्षण पद्धतियों और उनके संबंधित विषयों की गहन समझ से लैस करना था। कार्यशालाओं, इंटरैक्टिव सत्रों और प्रायोगिक गतिविधियों की श्रृंखला के माध्यम से, प्रशिक्षुओं ने अपनी शिक्षण प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक कौशल प्राप्त किया। इस उद्घाटन समारोह में गणित और विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस पर, डॉ. सिवन ने अपने उद्घाटन भाषण में इस बात पर जोर दिया कि हमारे देश के भविष्य को आकार देने में प्रशिक्षित शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, "हमारे छात्रों के लिए एक मजबूत शैक्षिक आधार को बढ़ावा देने के लिए हमारे शिक्षकों को उन्नत प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त बनाना आवश्यक है।"

सन लाइफ के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी इंदौर और ग्लोबल कैपेबलिटी सेंटर व ग्लोबल इंश्योरेंस एवं एसेट मैनेजमेंट लीडर सन लाइफ के माइक्रोकोज़्म सन लाइफ ग्लोबल सॉल्यूशंस (एसएलजीएस) ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य इनोवेशन को बढ़ावा देना है, जिसमें विशेष रूप से बीमा के क्षेत्र में जोखिम मूल्यांकन, क्लेम सेटलमेंट और ग्राहक की संतुष्टि में सुधार सहित एआई/एमएल, डेटा एनालिटिक्स और जनरेटिव एआई जैसी पीढ़ी की नई प्रौद्योगिकियों का उपयोग शामिल होगा। इस साझेदारी के माध्यम से, सन लाइफ का लक्ष्य जीसीसी क्षेत्र में नई तकनीकी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम कुशल कार्यबल को विकसित करने में मदद करके उत्पादकता को बढ़ावा देना और सर्विस डिलीवरी को बढ़ाना है - जिसमें बड़े पैमाने पर बीमा उद्योग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस सहकार्य से जोखिम मूल्यांकन, क्लेम सेटलमेंट और ग्राहक वर्ग जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण नवाचारों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जो सभी बड़े परिवर्तन के कगार पर हैं। इन उन्नतियों का लाभ उठाकर, सन लाइफ अपनी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और ग्राहकों को असाधारण सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होगी।

23वां राष्ट्रीय विद्युत प्रणाली सम्मेलन

23वें राष्ट्रीय विद्युत प्रणाली सम्मेलन (एनपीएससी 2024) का उद्घाटन 14 दिसंबर, 2024 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर में हुआ। मध्य भारत में पहली बार आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन आईआईटी इंदौर और पश्चिम क्षेत्रीय भार प्रेषण केन्द्र (डब्ल्यूआरएलडीसी), ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया लिमिटेड ने संयुक्त रूप से किया, जो शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोगात्मक प्रयास को रेखांकित करता है। आईआईटी इंदौर की आयोजन अध्यक्ष और प्रतिष्ठित संकाय सदस्य प्रोफेसर तृप्ति जैन ने आधुनिक ऊर्जा प्रणालियों की चुनौतियों का समाधान करने में सम्मेलन के महत्व पर जोर दिया। वहीं, ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक एस.आर. नरसिम्हन ने स्थायी ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में ग्रिड आधुनिकीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। "एचिविंग डीकार्बोनाइज्ड, डिजिटलाइज्ड एनर्जी एंड इलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम्स" थीम के साथ, एनपीएससी 2024 भारत की रणनीतिक ऊर्जा पहलों के साथ संरेखित है, जिसमें मिशन इनोवेशन और ईवी मिशन शामिल हैं।

57वीं इंटर आईआईटी स्पोर्ट्स मीट

आईआईटी इंदौर ने 10 से 17 दिसंबर, 2024 के बीच आईआईटी कानपुर के साथ संयुक्त रूप से इतिहास में पहली बार प्रतिष्ठित 57वीं इंटर आईआईटी स्पोर्ट्स मीट का आयोजन करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह भव्य आयोजन अब संस्थान के लिए एक ऐसा निर्णायक क्षण बन गया है, जो खेल कौशल और उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है, जिसका शुभारंभ 9 दिसंबर, 2024 को किया गया था। इंटर आईआईटी स्पोर्ट्स मीट एक ऐसा प्रमुख कार्यक्रम है जो आईआईटी समुदाय की जीवंत खेल संस्कृति का सच्चा प्रतिबिंब बनाकर देश भर के सबसे प्रतिभाशाली एथलीटों को एक मंच प्रदान करता है। इस वर्ष, सभी 23 आईआईटी से 2,500 से अधिक प्रतिभागियों ने 12 स्पर्धाओं में भाग लिया। आईआईटी इंदौर में 1,370 प्रतिभागियों द्वारा एथलेटिक्स, फुटबॉल, बैडमिंटन, स्क्वैश, भारोत्तोलन और शतरंज जैसी स्पर्धाओं में भाग लेने के साथ, इस प्रतियोगिता में खेल भावना, टीम वर्क और सौहार्द का भाव समाहित था जो आईआईटी की विचारधारा को दर्शाता है। फुटबॉल में टीमों ने असाधारण टीमवर्क और खेल भावना दिखाई और आईआईटी गुवाहाटी ने चैंपियन के रूप में विजय प्राप्त की। वहीं, भारोत्तोलन प्रतियोगिता में पुरुष एथलीटों ने अविश्वसनीय ताकत का प्रदर्शन किया, जिसमें आईआईटी रोपड़ ने सर्वाधिक वजन उठाकर खिताब जीता।

एमसीटीई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर और मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (एमसीटीई) ने भारतीय सेना के अधिकारियों के लिए संयुक्त स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओए) के माध्यम से एक रणनीतिक साझेदारी को औपचारिक रूप दिया है। यह पहल सशस्त्र बलों द्वारा प्रौद्योगिकी को तेजी से अपनाने और सैन्य अनुप्रयोगों के लिए तैयार अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में विशेषज्ञ मानव संसाधन बनाने के लिए डिज़ाइन की गई है। इस सहयोग का उद्देश्य रक्षा संचार एवं प्रौद्योगिकी में आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्य और एमसीटीई के अनुभव का लाभ उठाना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय सेना साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संचार और वीएलएसआई जैसे क्षेत्रों में तकनीकी प्रगति में सबसे आगे रहे। यह स्नातकोत्तर कार्यक्रम शैक्षणिक दृढ़ता को व्यावहारिक सैन्य अनुप्रयोगों के साथ एकीकृत करेगा, जिससे अधिकारियों को आधुनिक रूप से युद्ध संबंधी उन्नत तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने का एक अनूठा अवसर मिलेगा।

अदाणी एंटरप्राइजेज के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

आईआईटी इंदौर एवं अदाणी एंटरप्राइजेज के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ और अदाणी इंडोलॉजी प्रोग्राम के नाम से एक कार्यक्रम डिज़ाइन किया है। इस प्रोग्राम के माध्यम से अदाणी एंटरप्राइजेज संपूर्ण भारत में 14 पीएचडी छात्रों को “भारतीय परंपरा” से संबंधित विषयों के शोध में शामिल होने का अवसर दे रहा है। इसके तहत, अदाणी एंटरप्राइजेज आईआईटी इंदौर के एक पीएचडी स्कॉलर के लिए फंडिंग प्रदान करेगा जिसे “अदाणी इंडोलॉजी पीएचडी स्कॉलरशिप” के नाम से और पीआई को “अदाणी इंडोलॉजी चेयर प्रोफेसर” के नाम से जाना जाएगा। इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का उद्देश्य अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड इंडोलॉजी रिसर्च स्कॉलरशिप प्रोग्राम परियोजना विवरण के वित्तपोषण और प्रबंधन के लिए दोनों पक्षों के बीच सामान्य रूपरेखा को रेखांकित करना था। इस परियोजना का अनुसंधान क्षेत्र "खाद्य सुरक्षित भारत, स्वस्थ मृदा और स्थायी कार्यप्रणालियों के लिए भारतीय पारंपरिक कृषि की रणनीतियाँ" है। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड परियोजना (“कार्यक्रम”) के संबंध में आईआईटी इंदौर, नामांकित विशिष्ट शोधार्थी को पांच वर्ष की अवधि के लिए अनुदान प्रदान करेगा।

एनएलआईयू के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

आईआईटी इंदौर और राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय भोपाल ने साइबर सुरक्षा और कानून के क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों के लिए एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम शुरू करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस प्रोग्राम का उद्देश्य साइबर सुरक्षा में उन्नत ज्ञान और कौशल के साथ “साइबर सुरक्षा तथा साइबर कानून” में संयुक्त डिग्री "मास्टर ऑफ़ साइंस" की पेशकश करने के लिए सहयोग, साइबर सुरक्षा के कानूनी पहलुओं की व्यापक समझ प्रदान करना और साइबर सुरक्षा तथा साइबर कानून में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर द्वारा संयुक्त रूप से 2-3 दिसंबर, 2024 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में तकनीकी हिंदी संगोष्ठी 2024 आयोजित की गई। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य तकनीकी क्षेत्र में हिंदी को बढ़ावा देना था। इसमें, देशभर के अलग-अलग राज्यों, प्रांतों, शिक्षण संस्थानों एवं कार्यालयों से लोग उपस्थिति हुए। इस संगोष्ठी के अवसर पर, केंद्रीय हिंदी संस्थान के पूर्व उपाध्यक्ष व वैश्विक हिंदी परिवार के अध्यक्ष श्री अनिल जोशी मुख्य अतिथि के रूप में, आईआईटी जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल, आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी, प्रो. सौमित्र कुमार सनाढ्य, प्रो. राजेश कुमार उपस्थित रहे। भारतीय परंपरा के अनुसार, सर्वप्रथम संगोष्ठी कार्य को मंगल बनाने के लिए दीप प्रज्ज्वलन से शुरुआत की गई एवं साथ ही, सभी गणमान्य अतिथियों एवं सभागर में उपस्थित अन्य हिंदी अनुयायिओं का स्वागत किया गया। इसके बाद, तकनीकी हिंदी संगोष्ठी 2024 के आधिकारिक आलेखों के संग्रह का विमोचन किया गया। वहीं, 11 भारतीय भाषाओं में रची गई कविताओं का संकलन “काव्य भारती” का विमोचन भी किया गया। इस पर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल ने कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर बी.टेक के प्रथम सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के लिए हिंदी व अंग्रेज़ी दोनों माध्यम का विकल्प देता है, ताकि ज्ञानार्जन के मार्ग पर भाषा बाधा न बन सके और छात्र आसानी से अपनी भाषा में विद्यार्जन कर सकें। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष अंग्रेज़ी भाषा की तुलना में हिंदी भाषा के छात्र का प्रदर्शन सराहनीय रहा, जो कि राजभाषा के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान है। वहीं, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने कहा कि ‘विज्ञान पर चर्चा’ श्रृंखला का राजभाषा के प्रचार-प्रसार में विशेष योगदान है। चूँकि यह संस्थान एक राष्ट्रीय महत्व वाला तकनीकी संस्थान है, इसलिए हम सरल हिंदी भाषा में जन-जन के बीच विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का ज्ञान वर्चुअल माध्यम से प्रसारित कर रहे हैं। साथ ही, संस्थान के शोधकर्ताओं की थीसिस के सारांश का हिंदी में अनुवाद करके एक पत्रिका का संकलन भी प्रकाशित करने पर कार्य करेंगे। इस दौरान, संगोष्ठी के मुख्य अतिथि श्री अनिल जोशी ने कहा यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे राष्ट्रीय महत्व वाले संस्थान तकनीकी क्षेत्र में संगोष्ठी आयोजित कर रहे हैं और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा बी.टेक के प्रथम सेमेस्टर के छात्रों को पाठ्यक्रम में हिंदी व अंग्रेज़ी दोनों माध्यम का विकल्प प्रदान किया जाता है। 3 दिसंबर, 2024 को राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला को सबसे पहले संगोष्ठी आयोजन समिति के अध्यक्ष द्वारा संबोधित किया गया। इस कार्यशाला में प्रोफेसर राजेश कुमार, भा.प्रौ.सं. इंदौर, ने भौतिकी के कुछ मुख्य नियमों व परिभाषाओं पर व्याख्यान दिया। अंत में, संगोष्ठी के सदस्य सचिव डॉ. नितिन भाटिया ने उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस दौरान, उन्होंने सह-आयोजक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर की ओर से उपस्थित सदस्यों (प्रोफेसर राजेश कुमार, प्रोफेसर हेम चंद्र झा, डॉ. आशीष उपाध्याय, श्री राजीव पाण्डेय व श्री शिशिर कुमार) को इस संगोष्ठी के सफल आयोजन के लिए विशेष धन्यवाद दिया।

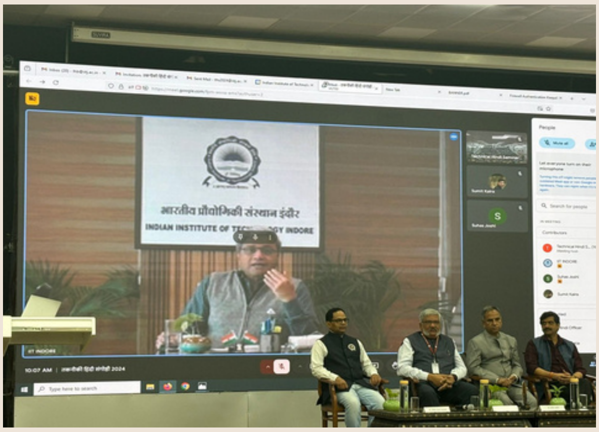

कुछ झलकियां

Director IIT Kanpur

57th Inter IIT Sports Meet
10th - 17th December, 2024
THE WINNERS!

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर
हिंदी पखवाड़ा - 2024
स्वरचित हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता
IIT INDORE

कुछ झलकियां

कुछ झलकियां

कुछ झलकियां

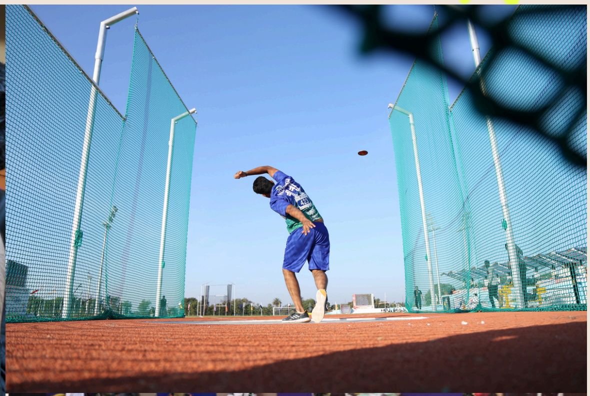

डॉ. आशुतोष मंडपे

सुश्री अंशिका मिश्रा

श्री राजेश ठाकरे

राजभाषा समिति
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर
श्री शैलेन्द्र वर्मा

श्री विकास टेलर

डॉ. हर्षा उपाध्याय

श्री अमित कुमार मिश्रा

श्री निखिलेश मार्को

श्री रोहित खत्री

सुश्री स्नेहा मित्तल

सुश्री निशा चौधरी

सुश्री डॉली

श्री आशुतोष मंडपे

श्री उत्कर्ष वर्मा

सुश्री पिनाज़ डेनियल

श्री राजेश ठाकरे

प्रोफेसर सुहास एस जोशी, निदेशक
प्रोफेसर संदीप चौधरी, अधिष्ठाता (प्रशासन)
श्री एस. पी. होता, कुलसचिव

श्री अनिल गुर्जर

राजभाषा समिति

प्रोफेसर राजेश कुमार, संयोजक
प्रोफेसर शरद गुप्ता
श्री राजीव पाण्डेय
श्री नीरज कुमार सोनी
सुश्री पूजा तिवारी
श्री रोहित खत्री
श्री शिशिर कुमार (सदस्य सचिव)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर
खंडवा रोड, सिमरोल, इंदौर
मध्य प्रदेश - 453552

अस्वीकरण: यह एक समाचार पत्रिका है जो कि सामान्य जानकारी के लिए है। भविष्य में, इसे कानूनी, वित्तीय या किसी अन्य उद्देश्य के लिए संदर्भित नहीं किया जा सकता।